AH-V/SNS-DSE-2/19

B.A. 5th Semester (Honours) Examination, 2019-20

SANSKRIT

Course ID : 50917 **Course Code : AHSNS-504-DSE-2**

Course Title: Veda

Time: 2 Hours **Full Marks: 40**

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु *पञ्चप्रश्नाः* लघुतया च समाधेयाः। 2×5=10

(a) किं नाम सत्यम्? ऋतशब्देन किं ज्ञायते?

(b) 'शीक्षां व्याख्यास्यामः' इत्यत्र के तावत् शिक्षणीयाः विषयाः?

(c) महासंहितापदेन के विषयाः विविच्यन्ते?

(d) 'ब्रह्मणः कोशोऽसि मेधया पिहितः' इत्यस्य श्रुतिवाक्यस्य अर्थं लिखत।

(e) पराशब्देन किं ज्ञायते? अपराशब्दस्य च कोऽर्थः?

(f) ब्रह्मणः उत्पद्यमानं विश्वं केन क्रमेणोत्पद्यते?

(g) 'अप्राणो ह्यमनाः शुभ्रः' इत्यत्र' 'अप्राणः' इति पदेन 'अमनाः' इति पदेन च किं बुध्यते?

(h) 'प्रणवो धनुः शरो ह्यात्मा ब्रह्म तल्लक्ष्यमुच्यते' इति श्रुतिवाक्यस्य अर्थं लिखत।

2. अधोलिखितेषु मन्त्रेषु यथेच्छं *द्वयं* व्याख्येयम्। 5×2=10

(a) ओमिति ब्रह्म। ओमितीदं सर्व्वम्।

(b) वेदमनूच्याचार्य्योऽन्तेवासिनमनुशास्ति। सत्यं वद। धर्मं चर।

(c) स्वाध्यायप्रवचनाभ्यां न प्रमदितव्यम्। देवपितृकार्याभ्यां न प्रमदितव्यम्।

3. अधोलिखितेषु श्रुतिवाक्येषु यथेच्छं *द्वयं* व्याख्येयम्। 5×2=10

(a) यः सर्व्वज्ञः सर्व्वविद् यस्य ज्ञानमयं तपः।
तस्मादेतद् ब्रह्म नाम रूपमन्नञ्च जायते।।

(b) अविद्यायामन्तरे वर्तमानाः
स्वयं धीराः पण्डितम्मन्यमानाः
जङ्घन्यमानाः परियन्ति मूढ़ा
अन्धेनैव नीयमाना यथान्धाः।।

(c) भिद्यते हृदयग्रन्थिश्छिद्यन्ते सर्व्वसंशया:।
क्षीयन्ते चास्य कर्म्माणि तस्मिन् दृष्टे परावरे।।

4. अधस्तात् कस्य*चिदेकस्य* प्रश्नस्योत्तरं विधेयम्। 10×1=10

(a) तैत्तिरीयोपनिषदि अनुशासनविषये यद्यत् प्रतिपादितं तत् सर्वं वैशद्येन विवृणुत।

(b) 'ऋतञ्च स्वाध्यायप्रवचने च' इत्यादिभि: श्रुतिवाक्यै: कर्मणां पुरुषार्थं प्रति साधनत्वं यथा प्रदर्शितं तथा व्याख्यायताम्।

(c) मुण्डकोपनिषदि ब्रह्मतत्त्वं यथा प्रतिपादितं तथा समासेन लिखत।

B.A. 5th Semester (Honours) Examination, 2019-20

SANSKRIT

Course ID : 50917 **Course Code : AHSNS-504-DSE-2**

Course Title: Kāvya

Time: 2 Hours **Full Marks: 40**

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. यथेच्छं कस्य*चिदेकस्य* प्रश्नस्योत्तरं दीयताम्। 10×1=10

(a) श्रीरामकृष्णेन सह श्रीनरेन्द्रस्य प्रथमः साक्षात्कारः वर्ण्यताम्।

(b) ईश्वरस्य अस्तित्वविषये श्रीनरेन्द्रं प्रति श्रीरामकृष्णस्य उपदेशः वर्ण्यताम्।

(c) वक्रेश्वरस्य चरित्रं वर्ण्यताम्।

2. *द्वयोः* सप्रसङ्गव्याख्या कार्य्या। 5×2=10

(a) दीपाद्देदीप्यते दीपो नियमोऽयं सनातनः।
दीपपरम्पराज्वाला नितरां विस्मयावहा।।

(b) सर्वत्रासि जले स्थले त्वमाद्यमूले रे मातः।
असि सर्वघटेऽर्थपुटे साकाराऽथवा निराकारा।।

(c) मायापरिवृतो जनो नारिकेल-सदृशः।

(d) कन्या कामयते रूपं माता वित्तं पिता गुणम्।
बान्धवाः कुलमिच्छन्ति मिष्टान्नमितरे जनाः।।

3. *द्वयोः* सप्रसङ्गव्याख्या कार्य्या। 5×2=10

(a) प्रातरारभ्य कष्टेन कृतभिक्षाटनस्य मे।
उपवासो ललाटेऽस्ति दुरन्ता हि विधेर्लिपिः।।

(b) चलद्दन्तस्य मे पत्रचर्वणे नास्ति योग्यता।
वधिरस्य यथा गीतश्रवणे न प्रवर्त्तना।।

(c) अन्धः कुष्ठी दरिद्रो वा प्रतिवेशी वरं भवेत्।
समानधनगर्वेण स्पर्धमानो हि दुःसहः।।

4. यथेच्छं *पञ्चानां* प्रश्नानामुत्तराणि संस्कृतभाषया देवनागरलिपिमाश्रित्य कुरुत। 2×5=10

(a) 'भारत-विवेकम्' इति नाटकस्य 'नान्दी' लिखत।

(b) 'भारत-विवेकम्' इति कीदृशः ग्रन्थः? अस्य रचयिता कः?

(c) रामकृष्णः कः आसीत्? तस्य आविर्भावः कुत्र अभवत्?

(d) 'भारत-विवेकम्' इति नाटके कति दृश्यानि सन्ति? प्रथमदृश्यस्य नाम किम्?

(e) 'अहो! निष्करूणो बालको मे शिवात्मकः। सत्यमकरुणस्तवमसि। कस्येऽयम् उक्तिः? अस्याः तात्पर्यं किम्?

(f) दरिद्रदुर्दैवम् इति प्रहसनस्य नायकः कः? तस्य जीविका कासीत्?

(g) 'नरेन्द्र'– शब्दस्य कोऽर्थः? कौ च तस्य पितरौ?

(h) कदा कुत्र च श्रीरामकृष्णेन सह स्वामिविवेकानन्दस्य साक्षात्कारः अभवत्?

B.A. 5th Semester (Honours) Examination, 2019-20

SANSKRIT

Course ID : 50917 **Course Code : AHSNS-504-DSE-2**

Course Title: Nyāya

Time: 2 Hours **Full Marks: 40**

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. *पञ्च* प्रश्नाः समाधेयाः 2×5=10

(a) 'सप्तपदार्थी' इति ग्रन्थस्य मङ्गलश्लोकः लिख्यताम्।

(b) 'सप्तपदार्थी' इति ग्रन्थे कति पदार्थाः स्वीकृताः? के च ते?

(c) 'सप्तपदार्थी' इति ग्रन्थे कति द्रव्याणि स्वीकृतानि? कानि च तानि?

(d) विशेषस्य लक्षणं 'सप्तपदार्थी' इति ग्रन्थानुसारं लिख्यताम्।

(e) अनित्या पृथिवी कतिविधा? भेदानां नामोल्लेखः करणीयः।

(f) कालभेदाः समुल्लेखनीयाः?

(g) आत्मनः भदौ कौ?

(h) अनुमितिः कतिविधा?

2. *चत्वारः* प्रश्नाः समाधेयाः। 5×4=20

(a) अन्धकारस्य अतिरिक्तद्रव्यत्वमस्ति न वेति विचार्यताम्।

(b) मनसः स्वरूपं 'सप्तपदार्थी' इति ग्रन्थमाश्रित्य प्रतिपादनीयम्।

(c) 'आत्मनः भोगकारणं विषयः'– इत्यंशस्य व्याख्या करणीया।

(d) स्मृतेः लक्षणं स्वरूपं च 'सप्तपदार्थो' इति ग्रन्थमाश्रित्य प्रतिपादनीयम्।

(e) 'अनिष्टव्यापकप्रसञ्जनं तर्कः' इति अंशस्य व्याख्या कार्या।

(f) सप्तद्वीपाधरा यावद् यावद् सप्त धराधराः।
तावत् सप्तपदार्थीयमस्तु वस्तुप्रकाशिनी।।
– अयं श्लोकः व्याख्येयः।

(g) कारणत्रयम् आश्रित्य स्वपाठ्यानुसारं लघुनिबन्धो लेख्यः।

Please Turn Over

3. *एक:* प्रश्न: समाधेय:। 10×1=10

(a) सप्तपदार्थी इति ग्रन्थमाश्रित्य अभावस्य स्वरूपं तथा अभावस्य भेदा: निरूपणीया:।

(b) अनुमानस्य स्वरूपं सप्तपदाथ्यनुसारं प्रतिपादनीयम्।

(c) प्रमाया: अप्रमायाश्च स्वरूपं 'सप्तपदार्थी' समाश्रित्य प्रतिपादनीयम्।

B.A. 5th Semester (Honours) Examination, 2019-20

SANSKRIT

Course ID : 50917 **Course Code : AHSNS-504-DSE-2**

Course Title: Vyākaraṇa

Time: 2 Hours **Full Marks: 40**

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. केचन *पञ्च*प्रश्नाः समाधेयाः। 2×5=10

(a) प्रातिपदिकसंज्ञाविधायकं सूत्रद्वयं किम्?

(b) सम्बुद्धिसंज्ञाविधायकं सूत्रं विलिख्य सूत्रस्यार्थं लिखत।

(c) अङ्गसंज्ञाविधायकं सूत्रमर्थसहितं लिखत।

(d) स्वादयः कति? के च ते।

(e) सर्वनामसंज्ञाविधायकं सूत्रमर्थसहितं लिखत।

(f) घि-संज्ञाविधायकं सूत्रं सोदाहरणं प्रतिपाद्यताम्।

(g) का उपधा?

2. यथेच्छं *पदचतुष्टयं* ससूत्रं साधयत। 5×4=20

रामः, रामेण, सर्वस्मै, हरी, हरये, त्रयाणाम्, रामम्

3. कस्य*चिदेकस्य* सूत्रस्य व्याख्या करणीया। 10×1=10

(a) 'अर्थवदधातुरप्रत्ययः प्रातिपदिकम्' इति कृत्तद्धितसमासाश्च' इति च सूत्रद्वयं व्याख्यायताम्।

(b) 'सरूपाणामेकशेष एकविभक्तौ' इति अट्कुप्वाङ्नुम्व्यवायेऽपि इति च सूत्रद्वयं व्याख्यायताम्।

(c) 'आदेशप्रत्यययोः' इति सर्वादीनि सर्वनामानि' इति च सूत्रद्वयं व्याख्यायताम्।

———————

AP-V/SNS-501DSE-1A/19

B.A. 5th Semester (Programme) Examination, 2019-20

SANSKRIT

Course ID : 50918 **Course Code : APSNS-501DSE-1A**

Course Title: Kāvya and Philosophy

Time: 2 Hours **Full Marks: 40**

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. অধোলিখিতেষু প্রশ্নেষু যথেচ্ছং *পञ্চ*প্রশ্নানাম্ উত্তরং প্রদেয়ম্ : 2×5=10

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো *পাঁচটি* প্রশ্নের উত্তর লেখো ঃ

(a) কুমারসম্ভবস্য সর্গসংখ্যা: কতি? তব পাঠ্যসর্গস্য নাম কিম্?
কুমারসম্ভবের সর্গসংখ্যা কত? তোমার পাঠ্যসর্গের নাম কী?

(b) কুমারসম্ভবস্য মুখ্যটীকাকারস্য মুখ্যটীকায়া: চ নাম লিখ্যতাম্।
কুমারসম্ভবের মুখ্যটীকাকারের ও মুখ্যটীকার নাম লেখো।

(c) 'মনোভব:' ক:? স: কেন দগ্ধোऽভবত্?
'মনোভব:' কে? তিনি কার দ্বারা দগ্ধ হয়েছিলেন?

(d) কুমারসম্ভবস্য নায়িকা কা? তস্যা: পিতরৌ কৌ স্ত:?
কুমারসম্ভবের নায়িকা কে? তাঁর পিতা-মাতা কে কে?

(e) 'বিবেকচূডামণি' ইতি গ্রন্থ: কেন রচিত:? কস্য দর্শনস্য গ্রন্থোऽয়ম্?
'বিবেকচূড়ামণি' গ্রন্থের রচয়িতা কে? এটি কোন দর্শনের গ্রন্থ?

(f) জগতি কিং ত্রয়ং দুর্লভম্? কস্য অনুগ্রহেণ তত্ত্রয়ং প্রাপ্যতে?
জগতে কোন তিনটি দুর্লভ? কার অনুগ্রহে সেই তিনটি পাওয়া যায়?

(g) কিং নাম অনুবন্ধচতুষ্টয়ম্?
অনুবন্ধচতুষ্টয় কী কী?

(h) বিবেকচূডামণে: মঙ্গলশ্লোকে কস্য স্তুতি: কৃতা?
বিবেকচূড়ামণি গ্রন্থের মঙ্গলশ্লোকে কার স্তুতি করা হয়েছে?

2. यथेच्छ*मेकस्य* सप्रसङ्गव्याख्या संस्कृतेन देवनागरलिप्या च लेख्या। 5×1=5

যে কোনো *একটির* প্রসঙ্গসহিত সংস্কৃত ভাষায় ও দেবনাগরী লিপিতে ব্যাখ্যা লেখো ঃ

(a) मनीषिताः सन्ति गृहेषु देवतास्तपः क्व वत्से क्व च तावकं वपुः।
पदं सहेत भ्रमरस्य पेलवं शिरीषपुष्पं न पुनः पतत्रिणः।।

(b) यथा प्रसिद्धैर्मधुरं शिरोरुहैर्जटाभिरप्येवमभूत्तदाननम्।
न षट्पदश्रेणिभिरेव पङ्कजं सशैबालासङ्गमपि प्रकाशते।।

3. यथेच्छ*मेकस्य* भावसम्प्रसारणं कार्यम् : 5×1=5

যে কোনো *একটির* ভাবসম্প্রসারণ করো ঃ

(a) प्रियेषु सौभाग्यफला हि चारुता।

(b) न धर्मवृद्धेषु वयः समीक्ष्यते।

4. यथेच्छं *द्वयोः* सप्रसङ्गव्याख्या कार्या। एकस्य अवश्यमेव व्याख्या संस्कृतेन देवनागरलिप्या लेख्या। 5×2=10

যে কোনো *দুটির* প্রসঙ্গসহিত লিপিতে ব্যাখ্যা লেখো। একটির ব্যাখ্যা অবশ্যই সংস্কৃতে ও দেবনাগরীতে লেখো।

(a) अमृतत्वस्य नाशास्ति वित्तेनेत्येव हि श्रुतिः।
ब्रवीति कर्मणो मुक्तेरहेतुत्वं स्फुटं यतः।।

(b) उद्धरेदात्मनात्मानं मग्नं संसारवारिधौ।
योगारूढत्वमासाद्य सम्यग्दर्शननिष्ठया।।

(c) चित्तस्य शुद्धये कर्म न तु वस्तूपलब्धये।
वस्तुसिद्धिर्विचारेण न किञ्चित् कर्मकोटिभिः।।

(d) विवेकिनो विरक्तस्य शमादिगुणशालिनः।
मुमुक्षोरेव हि ब्रह्मजिज्ञासायोग्यता मता।।

5. अधोलिखितेषु कस्यचिद*ेकस्य* प्रश्नस्य उत्तरं लेख्यम्। 10×1=10

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো *একটি* প্রশ্নের উত্তর লেখো ঃ

(a) तपस्यार्थं पार्वती कुत्र गतवती? तत्स्थानं कीदृशं केन नाम्ना च अभिहितमासीत्? तस्याः तपसः वर्णना कार्या। 1+2+7=10

তপস্যার জন্য পার্বতী কোথায় গিয়েছিলেন? সেই স্থানটি কীরকম ও কোন নামে অভিহিত হত? তাঁর তপস্যার বর্ণনা করো।

(b) किं नाम साधनचतुष्टयम्? विवेकचूडामणिमनुसृत्य संक्षेपेण आलोच्यताम्। 2+8=10

সাধনচতুষ্টয় কী? 'বিবেকচূড়ামণি' গ্রন্থ অনুসারে সাধনচতুষ্টয় সম্পর্কে সংক্ষেপে আলোচনা করো।

(c) 'आत्महा' कः? विवेकचूडामणिमाश्रित्य आत्मनः स्वरूपं लिख्यताम्। 1+9=10

আত্মহা কে? 'বিবেকচূড়ামণি' গ্রন্থ অনুসারে আত্মার স্বরূপ লেখো।

AP-V/SNS-503/GE-I/19

B.A. 5th Semester (Programme) Examination, 2019-20

SANSKRIT

Course ID : 50914 **Course Code : APSNS-503GE-I**

Course Title: History of Indian Philosophy

Time: 2 Hours **Full Marks: 40**

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. एतेषु कस्यचन *एकस्य* प्रश्नस्य उत्तरं लेख्यम्। 10×1=10
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো *একটি* প্রশ্নের উত্তর লেখো ঃ

(a) चार्वाकाणां ''चैतन्यविशिष्टः कायः पुरुषः'' - इति विषये वैशद्येन आलोचनीयम्।
''চৈতন্যবিশিষ্ট দেহই আত্মা'' - চার্বাকদের এই মত ব্যাখ্যা করো।

(b) सांख्यानां सत्कार्यवादविषये लघुप्रबन्धो लेख्यः।
সাংখ্যমতে সৎকার্যবাদ বিষয়ে নাতিদীর্ঘ প্রবন্ধ লেখো।

(c) वेदान्तदर्शनमते अज्ञानस्वरूपं व्याख्यायताम्।
বেদান্ত দর্শনের মতে অজ্ঞানের স্বরূপ ব্যাখ্যা করো।

2. अधोलिखितेषु यथेच्छं विषय*चतुष्टयम्* आश्रित्य टीकाः लेख्याः। 5×4=20
নিম্নলিখিত বিষয়গুলির মধ্যে যে কোনো *চারটি* বিষয়কে অবলম্বন করে টীকা লেখো।

(a) जैनमतानुसारं स्याद्वादः।
জৈনমতানুসারে স্যাদ্‌বাদ।

(b) न्यायसम्मतं प्रमाणम्
ন্যায়সম্মত প্রমাণ।

(c) सांख्यसम्मतं प्रकृतिस्वरूपम्
সাংখ্যমতে প্রকৃতিস্বরূপ।

(d) योगदर्शनप्रोक्तौ यम-नियमौ
যোগদর্শনে উক্ত যম ও নিয়ম।

(e) वेदान्तदर्शनस्य साधनचतुष्टयम्
বেদান্তদর্শনে সাধনচতুষ্টয়।

(f) वैशेषिकदर्शनोक्ताः सप्त पदार्थाः
বৈশেষিকদর্শনোক্ত সাতটি পদার্থ।

(g) बौद्धदर्शने भावनाचतुष्टयम्
বৌদ্ধদর্শনে ভাবনাচতুষ্টয়।

3. अधोलिखितेषु *पञ्च* प्रश्नाः संस्कृतभाषया समाधेयाः। 2×5=10

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো *পাঁচটি* প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় দাও।

(a) भारतीयदर्शनं कतिविधम्? कानि च तानि?

ভারতীয়দর্শন কয় প্রকার ও কী কী?

(b) आस्तिकदर्शनं नाम किम्? केषां दर्शनानां तत्र अन्तर्भावः?

আস্তিক দর্শন বলতে কী বোঝো? কোন কোন দর্শনের আস্তিকদর্শনে অন্তর্ভাব?

(c) 'चार्वाकः' इति नाम किमर्थम्?

'চার্বাক এই নামকরণের কারণ কি?

(d) चार्वाकमते पुरुषार्थः कोऽस्ति?

চার্বাকমতে পুরুষার্থ কী?

(e) जैनदर्शनस्य 'त्रिरत्नम्' इत्यतेन किं बोध्यते?

জৈনদর্শনে ত্রিরত্ন বলতে কী বোঝো?

(f) बौद्धदर्शने 'प्रतीत्य समुत्पादवादः' इत्यतेन किं बोध्यते?

বৌদ্ধদর্শনে প্রতীত্যসমুৎপাদবাদ বলতে কী বোঝো?

(g) न्यायदर्शनस्य प्रवक्ता कः आसीत्? मुख्यग्रन्थश्च कः?

ন্যায়দর্শনের প্রবক্তা কে? এই দর্শনের মুখ্যগ্রন্থ কী?

(h) न्यायदर्शने कति पदार्थाः स्वीकृताः?

ন্যায় দর্শনে কয়টি পদার্থ স্বীকৃত হয়েছে?

(i) सांख्यदर्शनानुसारं दुःखं कतिविधम्?

সাংখ্যদর্শনানুসারে দুঃখ কয় প্রকার?

AP-V/SNS-504-SEC-3/19

B.A. 5th Semester (Programme) Examination, 2019-20

SANSKRIT

Course ID : 50920 **Course Code : APSNS-504-SEC-3**

Course Title: Spoken Sanskrit & Computer Application

Time: 2 Hours **Full Marks: 40**

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

Spoken Sanskrit

A. समीचीनमुत्तरं चिनुत (MCQ): 2×10=20

1. _____ प्रति दयां कुरु।

(a) दीनम्
(b) दीनानाम्
(c) दीनैः
(d) दीनेभ्यः

2. _____ नमः।

(a) शिवम्
(b) शिवाय
(c) शिवैः
(d) शिवेषु

3. सुन्दरं _____।

(a) पुष्पम्
(b) पुष्पाणि
(c) पुष्पे
(d) पुष्पेषु

4. 'रामेण रावणः हतः' इत्यस्य वाच्यपरिवर्तने किं रूपम्?

(a) रामः रावणं हतवान्।
(b) रामेण रावणं हताः।
(c) रामेण रावणः हन्यते।
(d) रामः रावणं हन्यते।

5. _____ सह गच्छति रमा।

(a) पुत्रेण
(b) पुत्राय
(c) पुत्रेषु
(d) पुत्रम्

6. _____ उदिते पद्मं प्रकाशते।

(a) सूर्ये
(b) सूर्यम्
(c) सूर्यैः
(d) सूर्येण

7. _____राजपुत्रः।

(a) राज्ञः पुत्रः (b) राजः पुत्रः

(c) राजा पुत्रः (d) राज्ञानां पुत्रः

8. छात्राः विद्यालयं _____।

(a) गच्छति (b) गच्छसि

(c) गच्छामि (d) गच्छन्ति

9. यवनानां लिपिः = _____

(a) यवनी (b) यवना

(c) यवनिः (d) यवनानी

10. गम् + तुमुन् = _____

(a) गत्वा (b) गन्तुम्

(c) गम्यते (d) गतः

Computer Application

II. Answer *all* questions (MCQ): 2×10=20

11. Which of the following is not required for a computer network?

(a) LAN card (b) Modem

(c) Ethernet cable (d) Sound card

12. A formula and a function in excel begins with an _____ sign.

(a) + (b) = =

(c) = (d) ~

13. Saved mail stored in _____ folder.

(a) inbox (b) sent

(c) frash (d) draft

14. An email address always contains _____ sign in it.

(a) ≠ (b) $

(c) & (d) @

15. Which one of the following is output device of computer system?

(a) Key board (b) Printer

(c) Mouse (d) Scaner

16. Which command from key board is used for paste a copied file in a directory

(a) Shift + C (b) Ctrl + C

(c) Shift + V (d) Ctrl + V

17. Which of the following is a volatile memory?

(a) ROM (b) RAM

(c) EPROM (d) PROM

18. A _____ displays the data in the form of horizontal bars.

(a) Column Chart (b) Line Chart

(c) Pie Chart (d) Bar Chart

19. The _____ to d separates the data that matches the given criteria.

(a) sort (b) cell reference

(c) filter (d) None of these

20. Match the following terms with what they stand for.

Term	**Stands for**
1. Com	A. Education
2. Edu	B. India
3. In	C. Australia
4. Au	D. Commerce

(a) 1A 2B 3C 4D (b) 1D 2C 3A 4B

(c) 1D 2A 3C 4B (d) 1D 2A 3B 4C

_____

AH-V/SNS/501C-11/19

B.A. 5th Semester (Honours) Examination, 2019-20

SANSKRIT

Course ID : 50911 **Course Code : AH/SNS/501C-11**

Course Title: Sanskrit Grammar

Time: 2 Hours **Full Marks: 40**

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. यथेच्छ*मेकः* प्रश्नः समाधेयः। 10×1=10

(a) ''*प्रातिपदिकार्थलिङ्गपरिमाणवचनमात्रे* प्रथमा'' इति सूत्रे रेखाङ्कितपदस्य सविग्रहं समासं निरूपयत। यथासूत्रं प्रथमार्थे वैशद्येन प्रदर्शयत। 2+8=10

(b) कः कर्मप्रवचनीयः? कर्मप्रवचनीययुक्ते का विभक्तयो भवन्ति? कर्मप्रवचनीयानां स्वरूपं सोदाहरणं निरूपयत। 2+1+7=10

(c) कः समासः? समासस्य भेदविषये भेदानाञ्च स्वरूपविषये प्राचां भट्टोजिदीक्षितपादानाञ्च मतानि सयुक्ति उपस्थापनीयानि। 2+8=10

2. यथेच्छं *चतुर्णां* प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत। 5×4=20

(a) यथेच्छ*मेकं* सूत्रं व्याख्यात–

''विभाषा गुणेऽस्त्रियाम्।''

अथवा

''विशेषणं विशेष्येण बहुलम्।''

(b) निम्नोक्तयो*रेकं* व्याख्यात–

''अभिधानञ्च प्रायेण तिङ्कृत्तद्धितसमासैः।''

अथवा

''कृद्योगा च षष्ठी समस्यते इति वाच्यम्।''

(c) *एकस्य* व्याख्या कार्या–

''आधारोऽधिकरणम्''

अथवा

''समर्थः पदविधिः''

(d) निम्नोक्तयोरेकस्य व्याख्यानं क्रियताम्।

''सहयुक्तेऽप्रधाने''

अथवा

''संख्या वंश्येन।''

(e) रूपसिद्धिः कार्या–

'अपदिशम्'

अथवा

'अधिहरि'

(f) निम्नोक्तयोरेकस्य रूपस्य सिद्धिप्रकारः प्रदर्श्यताम्–

'घनश्यामः'

अथवा

''कुम्भकारः''

(g) अधोधृतयोरेकस्य रूपस्य सिद्धिः कार्या–

''मातापितरौ''

अथवा

''पीताम्बरः''

3. अधोधृतेषु *पञ्चानां* प्रश्नानाम् उत्तराणि लेख्याणि। 2×5=10

(a) 'यवेभ्यः *गां* वारयति।'– इत्यत्र रेखाङ्कितपदे केन सूत्रेण का विभक्तिः विहिता? कश्च विभक्तेः अर्थः?

(b) ''जटाभिः तापसः''– इत्यत्र रेखाङ्कितपदे केन सूत्रेण का विभक्तिः विहिता? कश्च विभक्तेः अर्थः?

(c) '' *नृसिंहाय* नमस्कुर्मः''– इत्यत्रोदाहरणे रेखाङ्कितपदे प्रयुक्ता विभक्तिः युक्ता अयुक्ता वेति सयुक्ति लिखत।

(d) कः शेषः? तस्मिन् का विभक्तिः भवति?

(e) '' *पापे* अभिनिवेशः।''– इत्यत्र रेखाङ्कितपदे केन सूत्रेण कस्मिन् अर्थे का विभक्तिः विहिता?

(f) किमुपसर्जनम्?

(g) ''चार्थे द्वन्द्वः''– इत्यत्र कः चार्थः?

(h) ''सुगन्धिः वायुः''–इत्यत्र रेखाङ्कितपदस्य कः अर्थः? कोऽत्र समासः?

———————

AH-V/SNS-502C-12/19

B.A. 5th Semester (Honours) Examination, 2019-20

SANSKRIT

Course ID : 50912 **Course Code : AHSNS-502C-12**

Course Title: Indian Epigraphy, Palaeography and Chronology

Time: 2 Hours **Full Marks: 40**

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु *पञ्चप्रश्नाः* सुरगिरा देवनागरलिप्या लघुतया च समाधेयाः। 2×5=10

(a) भारतवर्षे प्राप्तः प्राचीनतमः अभिलेखः कां भाषामाश्रित्य रचितः? भारतवर्षे सर्वापेक्षाया प्राचीनतमः अभिलेखः कः यस्य पाठोद्धारः कृतः?

(b) प्राचीनभारते लेखनोपकरणं किमासीत्?

(c) प्रथमरुद्रदाम्नः पिता पितामहश्च नामत उल्लिख्येताम्?

(d) मेहेरौलिलौहस्तम्भाभिलेखः कुत्र स्थापितः? असौ स्तम्भः कं देवमुद्दिश्य प्रतिष्ठितः?

(e) आदौ खरोष्ठी लिपिः कैः नामभिः उल्लिख्यते स्म?

(f) देवानां प्रियस्य प्रियदर्शिनो राज्ञो प्रथममुख्यशिलानुशासनं यदा लिखितमासीत् तदा प्रत्यहं कति प्राणिनः हन्यन्ते स्म? के च ते?

(g) हाथीगुम्फाभिलेखेन सह कस्य राज्ञः सम्बन्धः अस्ति?

(h) ब्राह्मीवर्णमालायां कति स्वरवर्णः? के च ते?

2. अधोनिर्दिष्टेषु किमपि प्रश्न *चतुष्टयं* संस्कृतभाषया देवनागरलिप्या च समुत्तरणीयम्। 5×4=20

(a) ब्राह्मीलिपीनां परिचयः देयः।

(b) विक्रमसंवत् इति विषये टीका लेख्या।

(c) मौर्यब्राह्मीलिप्या अनुलिखनम् कार्यम् –''इयं धंम-लिपि देवानां प्रियेन प्रियदसिना राज्ञालेखापिता।''

(d) ''ते पि च उपासका अनुपोसथं यावु एतमेव सासनं विस्वंसयितंवे।''– मौर्यब्राह्मीलिप्या अनुलिखनम् कार्यम्।

(e) 'अस्ति पि तु एकचा समाजा साधु-मता देवानं प्रियस प्रियंदसिनो राज्ञो।' इति व्याख्यायताम्।

(f) '...पूर्वापराकरावन्त्यनूपनीवृदा नर्तसूराष्ट्रश्वभ्र-मरु-कच्छसिन्धुसौविरकुकुरापरान्तनिषाददीनां समग्राणां...'– इति व्याख्यायताम्।

(g) 'स चुंखो भिखु वा भिखुनि वा संघं भाखति से उदातानि दुसानि संनंधापयिया आनावाससि आवासबिये।'– इति व्याख्यायताम्।

3. यथेच्छम् *एकः* प्रश्नः समाधेयः 10×1=10

(a) अभिलेखचर्चायां Buhler- महोदयस्य D.C Sircar- महोदयस्य च अवदानविषये निबन्धः लिख्यताम्।

(b) जुनागड़शिलालेखस्य ऐतिहासिकगुरुत्वम् आलोच्यताम्।

(c) समुद्रगुप्तस्य एराण–स्तम्भलेखस्य गुरुत्वं वैशिष्ट्यं च आलोच्यताम्।

———————

AH-V/SNS-DSE-1/19

B.A. 5th Semester (Honours) Examination, 2019-20

SANSKRIT

Course ID : 50916 **Course Code : AHSNS-503-DSE-1**

Course Title: Veda

Time: 2 Hours **Full Marks: 40**

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु *पञ्चप्रश्नाः* सुरिगिरा देवनागरलिप्या लघुतया च समाधेयाः। 2×5=10

(a) भूमिसूक्तस्य कः ऋषिः? अस्मिन् सूक्ते साकल्येन कति मन्त्राः सन्ति?

(b) 'विश्वंभरा वसुधानी' इत्यत्र 'वसुधानी'–पदस्य कोऽर्थः? पृथिव्याः धारकाः के भवन्ति?

(c) सांमनस्यसूक्तं कस्मिन् वेदे कस्मिन् वर्तते का च अत्र देवता?

(d) 'सहृदयं सांमनस्यम्' इत्यादि सूक्तस्य कः विनियोगः? 'सांमनस्यम्' इति पदस्य अर्थं लिखत।

(e) देवीसूक्तं कस्मिन् मण्डले वर्तते? अस्य सूक्तस्य कः ऋषिः?

(f) अम्भृणशब्दस्य भाष्यानुसारं कोऽर्थः?

(g) उषःसूक्तं कस्मिन् वेदे कस्मिन् मण्डले च वर्तते? 'ऋतस्य बुध्य उषसाम्' इत्यत्र ऋतस्य पदेन किं बुध्यते?

(h) उषा कथम् 'अमर्त्या' इत्युच्यते?

2. अधोलिखितेषु भाष्यवचनेषु यथेच्छं *द्वयं* व्याख्येयम्। 5×2=10

(a) ''अभिजिति शिष्यान् उपनीय श्वोभूते संभारान् संभरति' इति प्रक्रम्य ''गणकर्मभिर्विश्वकर्मभिरायुष्यैः स्वस्त्ययनैराज्यं जुहुयात्'' इति।

(b) गतो विनियोगः।

(c) उष औषस्यमिति प्रातरनुवाके उषः क्रतौ आश्विनशस्त्रे च त्रैष्टुभे छन्दस्येतस्य सूक्तस्य विनियोगः।

3. अधस्तात् यथेच्छं *द्वयम्* ऋषिच्छन्दोदेवताविनियोगनिर्देशपूर्वकं व्याख्येयम्। 5×2=10

(a) यस्यां समुद्र उत सिन्धुरापो यस्यामन्नं कृष्टयः सं बभूवुः।
यस्यामिदं जिन्वति प्राणदेजत्सा नो भूमिः पूर्वपेये दधातु।।

(b) अनुव्रतः पितुः पुत्रो मात्रा भवतु संमनाः।
जाया पत्ये मधुमतीं वाचं वदतु शान्तिवाम्।

(c) अहं राष्ट्री संगमनी वसूनां
चिकितुषी प्रथमा यज्ञियानाम्।
तां मा देवा व्यदधुः पुरुत्रा
भूरिस्थात्रां भूर्यावेशयन्तीम्।।

(d) उषो वाजेन वाजिनि प्रचेताः स्तोमं जुषस्व गृणतो मघोनि।
पुराणी देवी युवतिः पुरन्धिरनुव्रतं चरसि विश्ववारे।।

4. अधस्तात् *कस्यचिदेकस्य* प्रश्नस्योत्तरं वैशद्येन विवृणुत। 10×1=10

(a) पृथिव्याः माहात्म्यं वेदे यथा वर्णितं तथा वैशद्येन विवृणुत।

(b) देवीसूक्तं दार्शनिकसूक्तं न वेति विशदतया विचार्य्यताम्।

(c) सांमनस्यसूक्ते ऐक्यचिन्तनं यथा विहितं तथा भाष्यानुसारं लिखत।

B.A. 5th Semester (Honours) Examination, 2019-20

SANSKRIT

Course ID : 50916 **Course Code : AHSNS-503-DSE-1**

Course Title: Kāvya (Sahityadarpana-1-3 Chapter)

Time: 2 Hours **Full Marks: 40**

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

(सर्वे प्रश्नाः संस्कृतभाषया देवनागरलिप्या समुत्तरणीयाः)

1. निम्नलिखितेषु प्रश्नेषु *पञ्चानां* प्रश्नानाम् उत्तरं प्रदेयम्। 2×5=10

(a) 'साहित्यदर्पणे' कति परिच्छेदाः सन्ति? प्रथमपरिच्छेदस्य नाम किम्?

(b) काव्यस्य किं प्रयोजनम् आह आचार्य-विश्वनाथः?

(c) आचार्य-विश्वनाथः वाक्यस्य किं लक्षणमाह?

(d) का नाम व्यञ्जना? कतिविधा च सा?

(e) साहित्यदर्पणस्य रचयिता कः? तस्य पितुर्नाम किम्?

(f) रसस्य किं लक्षणम्? कति के च रसाः?

(g) नायकस्य किं लक्षणम्? नायकस्य कति भेदाः भवन्ति?

(h) मम्मटाचार्यः काव्यस्य किं लक्षणमाह?

2. यथानिर्देशं *चत्वारः* प्रश्नाः समाधेयाः। 5×4=20

(a) 'कीटानुबिद्धरत्नादिसाधारण्येन काव्यता'– इति व्याख्यायताम्।

(b) 'वाक्यं स्याद् योग्यताकाङ्क्षासत्तियुक्तः पदोच्चयः'– कारिकेयं साधु व्याख्येया।

(c) साहित्यिकाः कुत्र शक्तिग्रहं मन्यन्ते? कुत्र न? इति यथाशास्त्रं वर्णयंत।

(d) 'न विना विप्रलम्भेन सम्भोगः पुष्टिमश्नुते'– इति व्याख्यायताम्।

(e) 'योग्यता', 'अनुभावः'– इत्यनयोः यथेच्छम् *एकम*वलम्ब्य– लघुटीका लेख्या।

(f) लघुटीका लेख्या 'धीरोद्धतनायकः', 'आकाङ्क्षा'– इत्यनयोः यथेच्छ*मेक*माश्रित्य।

(g) व्यञ्जनास्वरूपं प्रतिपादय् अभिधामूला व्यञ्जना सोदाहरणा प्रतिपाद्या।

Please Turn Over

3. यथेच्छ*मेकस्य* उत्तरं प्रदेयम्। 10×1=10

(a) काव्यस्य प्रयोजनं प्रतिपाद्य प्रमाणानि दर्शनीयनि।

(b) रसलक्षणं प्रदर्शय तदास्वादप्रकारः प्रकाशनीयः।

(c) विश्वनाथोक्तं काव्यलक्षणं सोदाहरणं प्रतिपाद्यताम्।

B.A. 5th Semester (Honours) Examination, 2019-20

SANSKRIT

Course ID : 50916 **Course Code : AHSNS-503-DSE-1**

Course Title: Nyāya

Time: 2 Hours **Full Marks: 40**

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. अधोलिखितेषु *पञ्च* प्रश्नाः समाधेयाः। 2×5=10

(a) उपाधिः कतिविधः?

(b) सखण्डोपाधेः लक्षणं लिख्यताम्।

(c) रूपस्य लक्षणं किम्?

(d) सन्निकर्षरूपसम्बन्धः कस्य प्रयोजकः भवति?

(e) 'भूतले घटो नास्ति'– इत्यत्र अभावः केन सम्बन्धेन भूतले तिष्ठति?

(f) 'द्वौ' 'द्वित्ववान्'– इति पदयोः अर्थविशेषावधारणाय नवीनैः कः सम्बन्धः स्वीक्रियते?

(g) विषयतासम्बन्धस्य उदाहरणं देयम्।

(h) विषयितासम्बन्धस्य उदाहरणं देयम्।

2. अधोनिर्दिष्टेषु *चत्वारः* प्रश्नाः समाधेयाः 5×4=20

(a) वृत्तिनियामकसम्बन्धेषु द्वयोः परिचयः देयः।

(b) धर्मः नाम कः–? नव्यन्यायभाषाप्रदीपानुसारं सोदाहरणं लेख्यः।

(c) आधाराधेयभावम् आश्रित्य टीका लेख्या।

(d) असमवायिकारणम् आश्रित्य टीका लेख्या।

(e) 'विशेषणं द्विविधम् सिद्धं साध्यञ्च'– अस्य अंशस्य व्याख्या कार्या।

(f) संसर्गाभावविषये टीका लेख्या।

(g) 'ज्ञानं द्विविधं निर्विकल्पकं सविकल्पकं च–' व्याख्यायताम्।

Please Turn Over

3. यथेच्छम् *एकः* प्रश्नः समाधेयः। 10×1=10

(a) धर्मम् आश्रित्य निबन्धो लेख्यः नव्यन्यायभाषाप्रदीपमवलम्ब्य।

(b) को नाम सम्बन्धः? सम्बन्धस्वरूपं नव्यन्यायभाषाप्रदीपालोकेन स्पष्टीक्रियताम्।

(c) विशेषणस्वरूपमवलम्ब्य निबन्धो विरचनीयः।

B.A. 5th Semester (Honours) Examination, 2019-20

SANSKRIT

Course ID : 50916 **Course Code : AHSNS-503-DSE-1**

Course Title: Vyakaraṇa

Time: 2 Hours **Full Marks: 40**

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. केचन *पञ्च*प्रश्नाः समाधेयाः। 2×5=10

(a) इन्द्रशब्दस्य स्त्रीलिङ्गे किं रूपं भवति? कश्च प्रत्ययः विधीयते?

(b) 'अतो गुणे' इति सूत्रे 'अतः' इत्यनेन किं बुध्यते?

(c) युवन्शब्दान् स्त्रीलिङ्गे कः प्रत्ययः विधीयते किञ्च रूपं भवति?

(d) 'त्रिलोकी' इत्यत्र ङीष् प्रत्ययः केन सूत्रेण विधीयते?

(e) 'दाक्षी' इत्यस्य केन सूत्रेण ङीष् प्रत्ययः।

(f) 'वयसि प्रथमे' इनि सूत्रस्यार्थं सोदाहरणं लिखत।

(g) 'सपत्नी' इत्यस्य कः अर्थः? केन सूत्रेण नकारादेशः भवति?

(h) 'संज्ञायाम्' इति सूत्रेण कद्रुकमण्डलुशब्दयोः कः प्रत्ययः विधीयते?

2. ससूत्रं स्त्रीलिङ्गे रूपाणि साधयत (केषाञ्चन *चतुर्णाम्*) 5×4=20

अजा, कुरुचरी, कुमारी, गार्गी, गौरी, गोपी, गार्ग्यायनी

3. कस्या*प्येकस्य* सूत्रस्य व्याख्या कार्या। 10×1=10

(a) 'अजाद्यतष्टाप्' 'टाबृचि' इत्यनयोः व्याख्या कार्या।

(b) 'टिड्ढाणञ्*द्वयस*ञ्दघ्नञ्मात्रच्तयप्ठक्ठञ्कञ्क्वरपः', 'स्त्रियाम्' इत्यनयोः व्याख्या कार्या।

(c) 'इन्द्रवरूणभवशर्वरुद्रमृडहिमारण्ययवयवनमातुलाचार्याणामानुक्' 'अभाषितपुंस्काच्च' इत्यनयोः व्याख्या विधेया।

———————